पाठ ३

आखिर क्यों हुआ था 1962 का भारत-चीन युद्ध?

1962 में भारत पर चीन ने हमला क्यों किया था इसके कारण का खुलासा हो गया है. अब जाकर पता चला है कि इस युद्ध के पीछे चीन की मंशा क्या थी.

चीन के दिवंगत कद्दावर नेता माओत्से तुंग ने 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' आंदोलन की असफलता के बाद सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी पर अपना फिर से नियंत्रण कायम करने के लिए भारत के साथ वर्ष 1962 का युद्ध छेड़ा था.

चीन के एक शीर्ष रणनीतिकार वांग जिसी ने किया है. उन्होंने यह बात गत शनिवार को युद्ध की 50वीं सालगिरह के मौके पर करके युद्ध का एक नया पहलू पेश कर दिया.

चीन की पीकिंग यूनीवर्सिटी के स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज के डीन एवं चीन के विदेश मंत्रालय की विदेश नीति सलाहकार समिति के सदस्य वांग जिसी ने कहा, 'युद्ध एक दुखद घटना थी. वह आवश्यक नहीं था.' उन्होंने कहा कि उनकी धारणा चीन के कई राजनीतिक एवं रणनीतिक विश्लेषकों से अलग है कि चीन की जीत ने भारत के सीमा पर दावे को समाप्त कर दिया और इससे दीर्घकालिक शांति स्थापित हुई.

भारतीय राजनयिकों के अनुसार चीन नेतृत्व कई बार जिसी से सलाह मशविरा करता था. जिसी ने कहा, 'मेरा मानना है कि हमें कुछ अनुसंधान करना चाहिए. मैंने एक किस्सा सुना है कि यह माओत्से तुंग के चीन में अपनी स्थिति के भय के चलते था कि उन्होंने वर्ष 1962 युद्ध शुरू किया था.'

उन्होंने कहा, 'साल 1962 में ग्रेट लीप फॉरवर्ड (जीएलएफ) के बाद माओत्से ने सत्ता और प्राधिकार खो दिया. वह अब देश के प्रमुख नहीं थे और वह तथाकथित दूसरी पंक्ति में चले गए. हमें उस समय जो स्पष्टीकरण दिया गया वह यह था कि उनकी क्रांति और अन्य चीजों में अधिक रुचि है.'

ग्रेट लीप फॉरवर्ड (जीएलएफ) एक जनअभियान था जिसकी शुरुआत माओत्से तुंग ने देश को एक कृषि आधारित अर्थव्यस्था से आधुनिक कम्युनिस्ट समाज में तब्दील करने के लिए चीन की विशाल जनसंख्या का इस्तेमाल करने के लिए किया. यह आंदोलन चीन को बर्बाद करने वाला साबित हुआ क्योंकि लाखों लोग हिंसा की भेंट चढ़ गए. इससे माओत्से की देश की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी आफ चाइना (सीपीसी) के सर्वोच्च नेता के तौर पर स्थिति कमजोर हुई.

वांग जिसी ने कहा, 'स्वाभाविक रूप से उन्होंने (माओत्से) ने कई व्यावहारिक मुद्दों पर से नियंत्रण खो दिया. इसलिए वह यह साबित करना चाहते थे कि वह अभी भी सत्ता में हैं विशेष रूप से सेना का नियंत्रण उनके हाथों में है. इसलिए उन्होंने तिब्बत के कमांडर को बुलाया और झांग से पूछा कि क्या आप इस बात का भरोसा है कि आप भारत के साथ युद्ध जीत सकते हैं.' झांग गुओहुआ तिब्बत रेजीमेंट के तत्कालीन पीएलए कमांडर थे.

वांग जिसी के अनुसार, 'कमांडर ने कहा, 'हां माओत्से, हम युद्ध आसानी से जीत सकते हैं. उन्होंने कहा, 'आगे बढ़ो और इसे अंजाम दो.' इसका उद्देश्य यह प्रदर्शित करना था कि सेना पर उनका व्यक्तिगत नियंत्रण है. इसलिए इसका सीमा विवाद से बहुत कम ही लेना देना था (हो सकता है कि तिब्बत से हो लेकिन यह जरूरी नहीं).'

साभार - http://aajtak.intoday.in/story/truth-behind-Sino-Indian-war-in-1962-1-710733.html

वर्ग में दिए गए वर्णों के सार्थक मेल द्वारा शब्द निर्माण करें - उदा. गोली

गो	आ	बा	रू	द	खा	ना	म
ली	क्र	अ	प	श	त्रु	तो	प
ने	म	णु	र	स्थ	ट	वा	र
त	ण	ब	मा	रू	ल	यु	नी
का	र	म	णु	द	नौ	से	ना
र	आ	वा	यु	या	न	ना	ना
तू	रो	प	द्ध	प	न	डु	ब्बी
स	र	क्त	पा	त	ल	ड़ा	ई